वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची - गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग - 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

"मधु कीट पालन द्वारा आय सृजन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

स्थान - प्रदर्शन ग्राम कुटाम, तोरपा, खूंटी

दिनांक : 29.09.2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के सफल निर्देशन में श्री एस.एन.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री करम सिंह मुंडा एवं एक मधुपालक विशेषज्ञ श्री राजेश गोप का एक दल द्वारा दिनांक 29.09.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव एवं प्रदर्शन ग्राम के अंतर्गत प्रदर्शन ग्राम कुटाम में "मधु कीट पालन द्वारा आय सृजन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे ग्राम प्रधान, ग्राम सभा अध्यक्ष सहित लगभग 45-50 किसानों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम जागरुक किसान श्री मार्टिन डोडराय के असामयिक निधन पर दो मिनट का शोक रखा गया।

श्री करम सिंह मुंडा द्वारा स्वागत के उपरांत श्री बी.डी.पंडित तकनीकी अधिकारी ने आज के कर्यक्रम का परिचय दिया। उन्होने बताया कि जैविक खाद उत्पादन के प्रति ग्रामीणों के लगन को देखते हुए संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने मधु कीट पालन कर किसानों की आय सृजन में भी सहयोग करने का निर्णय लिया है। इसी के तहत आज किसानों को मधुकीट पालन का प्रशिक्षण देकर भविष्य में मधु कीट पालन का प्रदर्शन भी किया जायेगा एवं गांव के किसानों के आयवर्धन के लिए तकनीकी सहयोग दिया जायेगा। श्री पंडित ने मधुकीट पालन के लिए आवश्यक संसाधन एवं परिवेश के विषय में भी बताया। श्री एस.एन.वैद्य ने कहा कि जिस लगन से केचुआ खाद बनाना आप लोगों ने शुरु किया है उसी लगन से मधुकीट पालन का कार्य करें जिससे आपकी आय बढ़ सके तथा गांव का विकास हो। उन्होने संस्थान की ओर से आवश्यक सहयोग का भी आश्वासन दिया।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

अमर संजीवनी नेचुरल बी. प्रोडक्ट प्रा.लि., रातू, रांची के श्री राजेश गोप ने मधुकीट के प्रकार, लाभदायी मधु कीट एवं व्यावसायिक दृष्टि से उपयुक्त तथा आसानी से पालने लायक इटालियन मधुकीट के जीवन चक्र को विस्तार से बताया। मधु कीट पालन में रानी मधु कीट की महत्ता को समझाते हुए उन्होने बताया कि आवश्यक मधुकीट के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिशिचित करना बहुत मुश्किल नहीं है तथा यदि भरपूर मधुकीटों के लिए भरपूर भोजन सुनिशिचित कर लिया जाये तो एक बक्सा सालाना 70-80 किलो मधु प्राप्त किया जा सकता है तथा आसानी से रानी मधुकीट तैयार कर मधु बक्सों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इस प्रकार 10 बक्से का प्रबंधन ठीक से किया जाये तो 2-2.5 लाख रुपये सलाना आमदनी सम्भव है। उन्होने बताया कि मधु (शहद) का व्यापक बाजार है। मधु के साथ-साथ मोम, रायल, जेली, मधुडंक आदि से भी अतिरिक्त आय सृजित की जा सकती है। उत्तर भारत में जहां फलों की अधिक खेती होती है वहां मधु बक्सा लगाने के लिए किसानो द्वारा अलग से पैसे दिये जाते है। अत: मधु कीट पालन लाभदायक व्यावसाय है। जिस क्षेत्र में मधु कीट पालन किया जाता है उस क्षेत्र के कृषि फसल के उपज में भी बढ़ोतरी होती है। श्री रंजीत मांझी, पूणम दीदी, हेमंती दीदी, बंधन डोडराय, जीतू डोडराय आदि के सवालो को दल द्वारा समाधान किया गया। पूर्व में आवंटित जैविक खाद की प्रगति का अवलोकन किया गया जो संतोषप्रद है। नये आवंटित 8 जैविक खाद बेड की भी भराई कर लिया गया है एवं आपसी सहयोग से उसमे केचुआ भी डाला गया है।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची